253540 Seat No. ______

Second Year B. A. (External) Examination

April / May – 2003

Hindi : Paper – III

आधुनिक हिन्दी पद्य (गौण)

(New Course)

Time : **3** Hours] [Total Marks : **100**

सूचना : प्रत्येक प्रश्न के अंक **समान** हैं ।

१ 'रश्मिरथी' के कथानक को स्पष्ट करते हुए उसके प्रबंध कौशल का परिचय दीजिए ।

अथवा

१ 'रश्मिरथी' के आधार पर कर्ण का चरित्र चित्रण कीजिए ।

२ किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

(अ) 'रश्मिरथी' में रंगभूमि प्रसंग ।

(ब) 'रश्मिरथी' शीर्षक ।

(क) 'रश्मिरथी' की प्रमुख समस्या ।

(ड) कृष्ण का विराट रूप–दर्शन ।

३ ''भवानी प्रसाद मिश्र की कविता में प्रणय और प्रकृति के मार्मिक चित्र अंकित हैं ।'' – इस कथन की समीक्षा कीजिए ।

अथवा

३ 'गीतफरोश' के शीर्षक की सार्थकता समझाते हुए उस में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए ।

४ किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए :

(अ) 'गाँधी पंचशती' कविता का संदेश ।

(ब) मिश्रजी की कविता में राष्ट्रीय चेतना ।

(क) 'सतपुड़ा के जंगल' में प्रकृति–चित्रण ।

(ड) 'सन्नाटा' में निहित संवेदना ।

५ निम्नलिखित की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(अ) ''मान लिया था पुत्र, इसीसे, प्राणदान तो देता हूँ ।
पर अपनी विद्या का अंतिम चरम तेज हर लेता हूँ ।
सिखलाया ब्रह्मास्त्र तुझे जो, काम नहीं वह आयेगा ।
है यह मेरा शाप, समय पर उसे भूल तू जायेगा ॥''

अथवा

(अ) ''मैत्री की राह बताने को, सबको सुमार्ग पर लाने को,
दुर्योधन को समझाने को, भीषण विध्वंश बचाने को,
भगवान हस्तिनापुर आये । पांडव का संदेशा लाये ॥''

(ब) ''कविता को बिखरा देने से
सिवा रेशों के क्या दिखता है
लिखने वाला तो
हर बिखरे अनुभव के रेशे को
समेट कर लिखता है ।''

अथवा

(ब) ''क्यों नहीं हो पाता मैं
इस माँ की तरह
अखबार पढ़ने वाले
इस आदमी की तरह
इन लड़कों की तरह ।''